क्रिप्टोकरेंसी

//

क्रिप्टोकरेंसी

क्रिप्टोकरेंसी एक डिजिटल या आभासी मुद्रा है जो सुरक्षित, विकेंद्रीकृत लेन-देन के लिये क्रिप्टोग्राफी का उपयोग करती है और ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी पर कार्य करती है।

क्रिप्टोकरेंसी की विशेषताएँ

- क्रिप्टोग्राफी द्वारा सुरक्षित आभासी धन
- डायरेक्ट पीयर-टू-पीयर लेन-देन, जिससे बैंकों की आवश्यकता समाप्त हो जाती है
- सार्वजनिक बही खाता में प्रविष्टियाँ दर्ज की जाती हैं, न कि भौतिक नकदी के रूप में
- एन्क्रिप्टेड; उन्नत कोडिंग विधियाँ उच्च-स्तरीय सुरक्षा सुनिश्चित करती हैं
- विकेंद्रीकृत; किसी भी सरकार द्वारा नियंत्रित नहीं

कानूनी स्थिति: क्रिप्टोकरेंसी

- **वैध घोषित:** अल साल्वाडोर (वर्ष 2021) और **मध्य अफ्रीकी गणराज्य (वर्ष 2022)**; बिटकॉइन को वैध मुद्रा के रूप में मान्यता देने वाले पहले और दूसरे देश
  - अन्य देश जहाँ बिटकॉइन वैध है: अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोपीय संघ, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, जापान, स्विट्ज़रलैंड
- **अवैध घोषित:** चीन, पाकिस्तान, सऊदी अरब, ट्यूनीशिया और बोलीविया
- **भारत में स्थिति:**
  - कानूनी मुद्रा के रूप में मान्य नहीं है, हालाँकि प्रतिबंधित भी नहीं है
  - **कराधान:** मुनाफे पर 30% कर और हस्तांतरण पर 1% TDS (बजट 2022-23)
  - RBI ने वर्ष 2022 में अपना **CBDC - डिजिटल रुपया लॉन्च किया**

क्रिप्टोकरेंसी के प्रकार (उपयोग-आधारित)

- **उपयोगी टोकन:** ब्लॉकचेन प्लेटफॉर्म के भीतर सेवाओं या सुविधाओं तक पहुँचने के लिये उपयोग किया जाता है (उदाहरण के लिये एथेरियम (ETH) और रिपल (XRP))
- **लेन-देन:** भुगतान के लिये उपयोग किये जाने वाले टोकन (उदाहरण के लिये बिटकॉइन (BTC))
- **वोटिंग टोकन:** ब्लॉकचेन पर वोटिंग अधिकार प्रदान करने वाले टोकन (**उदाहरण** के लिये यूनिस्वैप)
- **प्लेटफॉर्म आधारित:** स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट को सक्षम करने के लिये प्रूफ-ऑफ-स्टेक तंत्र का उपयोग करने के लिये टोकन (उदाहरण के लिये सोलाना)
- **सुरक्षा:** परिसंपत्ति स्वामित्व का प्रतिनिधित्व करने वाले टोकन (उदाहरण के लिये मिलेनियम सैफायर)
- **स्टेबलकॉइन:** विभिन्न प्रकार की क्रिप्टोकरेंसी में आमतौर पर होने वाली अस्थिरता को कम करने के लिये बनाया गया

यह कैसे कार्य करता है?

- **माइनिंग:** लेन-देन को मान्य करने के लिये कंप्यूटर सामर्थ्य के साथ इक्वेशन को हल करता है
- **सुरक्षा:** क्रिप्टोग्राफी हेरफेर को रोकती है
- **ब्लॉकचेन:** लेन-देन एक वितरित बही खाता पर दर्ज किये जाते हैं
- **विकेंद्रीकरण:** कंप्यूटर के वैश्विक नेटवर्क द्वारा सत्यापित और बनाए रखा जाता है
- **डिजिटल वॉलेट:** क्रिप्टोकरेंसी प्रेषण और अर्जित करने के लिये कुंजियाँ संग्रहीत करता है

लाभ

- विकेंद्रीकरण
- कम लेन-देन शुल्क
- तीव्र लेन-देन
- क्रिप्टोग्राफी के माध्यम से सुरक्षा
- पारदर्शिता
- उच्च रिटर्न

चुनौतियाँ

- छद्म लेन-देन
- मूल्यों में उतार-चढ़ाव
- विनियामक अनिश्चितता
- आपराधिक उपयोग की संभावना
- मापनीय मुद्दे
- माइनिंग में अधिक उपयोग

Drishti IAS

और पढ़ें: क्रिप्टोकरेंसी

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/cryptocurrency-12